Exam. Code : 108004
Subject Code: 1786

B.A. (Honours) 4th Semester (Batch 2020-23)

HINDI

(Gadh Sahitya : Nibandh Sansmaran Tatha Anuvad)

Time Allowed—3 Hours] [Maximum Marks—100

सूचना :— प्रत्येक भाग में से कम से कम एक प्रश्न का चयन करते हुए, कुल पाँच प्रश्न करें। पाँचवा प्रश्न किसी भी भाग में से किया जा सकता है। सभी प्रश्नों के समान अंक हैं।

भाग—क

1. सप्रसंग व्याख्या कीजिए :—

(क) जब हम कभी वीरों का हाल सुनते हैं तब हमारे अन्दर भी वीरता की लहरें उठती हैं और वीरता का रंग चढ़ जाता है। परन्तु वह चिरस्थाई नहीं होता। इसका कारण सिर्फ यही है कि हममें वीरता का मलवा तो होता नहीं सिर्फ ख्याली महल उसके दिखलाने के लिए बनाना चाहते हैं। 10

(ख) आर्यावर्त में कन्यादान प्राचीनकाल से चला आता है। कन्यादान और पतिव्रत धर्म दोनों एक ही फल प्राप्ति का प्रतिपादन करते हैं। आजकल के कुछ मनुष्य कन्यादान को गुलामी की हँसली मान बैठे हैं। वे कहते हैं कि क्या कन्या कोई गाय, भैंस या घोड़ी की तरह बेजान और बेज़बान वस्तु है, जो उसका दान किया जाता है। 10

Scanned with CamScanner

2. सप्रसंग व्याख्या कीजिए :—

(क) आचरण की सभ्यता का देश ही निराला है। उसमें न शारीरिक झगडे हैं, न मानसिक, न आध्यात्मिक। न उसमें विद्रोह है, न जंग ही का नामोनिशान है और न वहाँ कोई ऊँचा है, न नीचा। न कोई वहाँ धनवान् है और न कोई निर्धन। वहाँ प्रकृति का नाम नहीं; वहाँ तो प्रेम और एकता को अखण्ड राज्य रहता है। 10

(ख) आपने चार आने पैसे मजदूर के हाथ में रखकर कहा — यह लो दिन भर की अपनी मजदूरी। वाह क्या दिल्लगी है। हाथ, पांव, सिर, आँखे इत्यादि सबके सब अवयव उसने आपको अर्पण कर दिये। ये सब चीजें उसकी तो थी ही नहीं, ये तो ईश्वरीय पदार्थ थे। जो पैसे आपने उसको दिये वो भी आपके न थे। वे तो पृथ्वी से निकली हुई धातु के टुकड़े थे। 10

भाग—ख

3. सप्रसंग व्याख्या कीजिए :—

(क) चीनी की गठरी में से कोई थान मैं अपने ग्रामीण बालकों के कुरते बना-बनाकर खर्च कर चुकी हूँ परन्तु अब भी तीन थान मेरी अलमारी में रखें हैं और लोहे का गज दीवार के कोने में खड़ा है। एक बार जब इन थानों को देखकर एक खादी-भक्त बहिन ने आक्षेप किया था — जो लोग बाहर से विशुद्ध खद्दरधारी होते हैं, वे भी विदेशी रेशम के थान खरीद कर रखते हैं। 10

Scanned with CamScanner

(ख) उस समय बच्चों के लालन-पालन में मनोविज्ञान को इतना महत्वपूर्ण स्थान नहीं मिला था और प्राय: सभी माता-पिता बच्चों को शिष्टता सिखाने में स्वयं अशिष्टता की सीमा तक पहुँच जाते थे। सुभद्रा जी का कवि-हृदय यह विधान कैसे स्वीकार कर सकता था। अत: उनके बच्चों को विकास का जो मुक्त वातावरण मिला उसे देखकर सब समझदार निराश से सिर हिलाने लगे। 10

4. सप्रसंग व्याख्या कीजिए :—

(क) साहित्यकार संसद में सब सुविधायें सुलभ होने पर भी उन्होंने स्वयं पाकी बनकर और एक बार भोजन करके जो अनुष्ठान आरम्भ किया था उसकी तो मैं अभ्यस्त हो चुकी थी। पर अचानक एक दिन जब उन्होंने पाव भर गेरू मंगवाने का आदेश दिया। तब मैंने समझा कि उनकी पित्ती निकल आई है, क्योंकि उसी रोग में गेरू मिले हुए आटे के पुचे खाये जाते हैं। 10

(ख) दिन भर के कार्य-भार से छुट्टी पाकर जब मैं कोई लेख समाप्त करने या भाव को छन्दबद्ध करने बैठती हूँ तब छात्रावास की रोशनी बुझ चुकती है। मेरी हिरनी सोना तख्त के पैताने फर्श पर बैठकर पागुर करना बन्द कर देती है। कुत्ता वसन्त छोटी मचिया पर पंजों में मुख रखकर आँखें मूंद लेता है और बिल्ली गोधूली मेरे तकिए पर सिकुड़कर सोये रहती है। 10

Scanned with CamScanner

भाग—ग

5. निबन्धकार अध्यापक पूर्ण सिंह का साहित्यिक परिचय दीजिए। 20

6. 'भक्तिन' संस्मरण तथा 'सच्ची वीरता' निबन्ध का सारांश लिखिए। 20

भाग—घ

7. निम्नलिखित अंग्रेजी शब्दों की हिन्दी लिखिए :— 20

Dealing Hand, Commissioner, Code, Catalogue, By-Product, Branch office, Adhoc, Affidavit, Acknowledgement, Panel, Offer, Master Plan, Invalid, Gazette, Entile, Enrolment, Draft, Dispatch, Ordinary fare, Pilgrim Tax.

8. निम्नलिखित अंग्रजी शब्दों की हिन्दी लिखिए :— 20

Reserved Compartment, Face Value, Layout, Sanctioned, Reminder, Balance, Zero Hour, Zone, Unlingual, Trilingual, Surplus, Statement, Reservation, Entrance, Exit, Compartment, Testimonial, Payment, live Account, Confirmation.

Scanned with CamScanner